

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – जुलाई, 2016–2017
अंक योजना हिन्दी 'ऐच्छिक'
कक्षा – XII

कूटबंध – 29/1/1
29/1/2
29/1/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
1.	1.	2.	1.	<p style="text-align: center;"><u>खंड 'क'</u></p> <p>अपठित गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● अर्थशास्त्र ● अर्थशास्त्र क्या है? <p>(अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकारें।)</p> <ul style="list-style-type: none"> ● कौटिल्य के अनुसार अर्थ – राजनीति, नीति, पुरुषार्थ एवं मानव-मूल्य ● सबके हित को ध्यान में रखकर संग्रह तथा वितरण के कारण ● धन – सम्पत्ति, पदार्थ और समस्त चर्चा एवं ज्ञान का स्थूल विषय ● लेन-देन में सामाजिक स्वीकृति और परस्पर विश्वास 	15 1 2 2 2 2



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
2.	च	च	च	आवश्यकता का औचित्य समझना और लेने वाले से वापसी का आश्वासन	2
	छ	छ	छ	आवश्यकतानुसार लिए गए धन के खर्च की उपयोगिता एवं क्षमता समझना	2
	ज	ज	ज	<ul style="list-style-type: none"> उद्योगपतियों एवं प्रबुद्ध वर्गों द्वारा शान से कर्ज लेकर डकार जाना उनकी इस प्रवृत्ति से बैंकों की व्यापार वृद्धि 	2
	2.	1.	2.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर—	1x5=5
	क	क	क	<ul style="list-style-type: none"> यमुना में बहुत तेज बाढ़ आने की कल्पना सहज रूप से बाढ़ के पानी का उतर जाना 	1
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> न ये सपने अपने लगते हैं न पराए 	1
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> जीवन के सभी व्यापार अनसुलझे ही रहेंगे अतः स्वेच्छा से जीवन के कोरे कागज पर लिख लें। 	1
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> अलंकार – यमक, पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार, मानवीकरण मुहावरे का भाव – मुश्किलों से 	1



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				साकार होने वाली कल्पनाएँ	
	ड	ड	ड	<ul style="list-style-type: none"> विशेष कर्म की ओर अग्रसर होना और उसे घटित होने देना 	
				<u>खंड – 'ख'</u>	
3.	3.	3.	3.	किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित : <ul style="list-style-type: none"> भूमिका/उपसंहार 1+1 विषय-वस्तु 6 भाषा शैली 2 	10
4.	4.	4.	4.	पत्र-लेखन : <ul style="list-style-type: none"> आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 1 विषय-वस्तु 3 भाषा 1 	5
5.	5.	6.	5.	प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर- <p>किसी विषय विशेष जैसे राजनीतिक स्वास्थ्य, व्यापार, खेल आदि पर लेखन</p> <p>शंका – संदेह करने पर ही वह घटना के कारणों की गहराई से जाँच-पड़ताल कर सकेगा</p>	1X5=5
	क	क	क		1
	ख	ख	ख		1
	ग	ग	ग	सम्पादक और उसकी टीम	1



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
	घ	घ	घ	ए.बी.पी., न्यूज़ 18, (नेशनल ज्योग्रेफिक चैनल, डिस्कवरी चैनल आदि-आदि) (किन्हीं दो के नाम अपेक्षित)	1
	ड	ड	ड	स्थायित्व, संग्रहणीयता, स्पष्टता, समय-असमय कहीं से भी पढ़ने की सुविधा	1
6.	6.	5.	6.	आलेख अथवा फीचर-लेखन : <ul style="list-style-type: none"> ● प्रस्तुति 2 ● विषय वस्तु 2 ● भाषा 1 	5
7.	7.	—	—	<u>खंड - 'ग'</u> काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या— संदर्भ (कवि और कविता का नाम) 1 प्रसंग 1 व्याख्या बिंदु 5 विशेष 1 यह समिधादे दो। कवि - सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' कविता - यह दीप अकेला प्रसंग - कवि ने दीप के प्रतीक व्यक्ति की सत्ता को सामाजिक सत्ता के	8



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
—	7.	—	—	<p>साथ जोड़ने का प्रयास।</p> <p>व्याख्या बिंदु –</p> <ul style="list-style-type: none"> ● व्यक्ति की सत्ता – यज्ञ की हवन सामग्री ● हठीले निराले व्यक्ति द्वारा ही अग्नि को प्रज्वलित करना ● स्वयं को अनुपम एवं अनोखा स्वीकारना ● समाजिक सत्ता में स्वयं को विलीन कर 'स्व' का त्याग ● गर्व और स्नेह से भरा दीप अकेला, इसे भी पंक्ति (सामाजिक सत्ता) में विलीन कर दो <p>विशेष –</p> <ul style="list-style-type: none"> ● लक्षणा शब्द शक्ति का प्रयोग ● प्रतीकात्मक शैली ● रूपक अलंकार ● भाषा सहज, सरल एवं प्रवाहमयी <p>एक बूँद.....दाग से।</p> <p>कवि – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'</p> <p>कविता – मैंने देखा एक बूँद</p>	



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
—	—	—	7.	<p>प्रसंग –</p> <ul style="list-style-type: none"> ● मानव जीवन के प्रत्येक क्षण का महत्व ● कवि को आत्मबोध – क्षणभंगुरता का आभास ● बूँद व्यक्ति का प्रतीक और सागर समाज का <p>व्याख्या बिंदु—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● बूँद का चमककर समुद्र में विलीन हो जाना ● विराट सत्ता का निराकार होना और मानव जीवन का विराट सत्ता में मिलन ● मिलन के आलोक से दीप्त क्षण मानव को नश्वरता के दाग से मुक्त कर देना <p>विशेष—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● प्रयोगवादी शैली ● प्रतीकात्मक प्रयोग ● व्यक्तिवाद की प्रतिष्ठा ● लाक्षणिकता ● क्षणभंगुरता की प्रतिष्ठा <p>यह मधु.....शक्ति को दे दो।</p>	



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				<p>कवि – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' कविता – यह दीप अकेला</p> <p>प्रसंग –</p> <ul style="list-style-type: none"> ● व्यक्ति एक दीपक के समान अकेला, स्नेह, गर्व और अहम् भाव से पूर्ण ● उसकी सार्थकता समाज में सम्मिलित होने से <p>व्याख्या बिंदु–</p> <ul style="list-style-type: none"> ● काल के टोकरे में युग-युग एकत्रित हुआ मधु ● जीवन रूपी कामधेनु का अमृतमय दूध ● धरती का हृदय चीरकर निर्भयता से सूर्य की ओर देखने वाला अंकुर ● प्रकृति के अनुरूप स्वयं पैदा हुआ ब्रह्म और सबसे अलग रूप वाले इस दीप रूपी व्यक्ति को समष्टि में मिलाकर सर्वशक्तिमान बना दो <p>विशेष –</p> <ul style="list-style-type: none"> ● लक्षणा शब्द शक्ति का प्रयोग ● उपमा एवं रूपक अलंकार ● तत्सम एवं प्रतीकात्मक शैली ● व्यक्ति को समाज से जोड़ने का भाव 	



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
8.	8. क	9. क	8. क	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित – भारत की विशेषताएँ– <ul style="list-style-type: none"> ● प्राकृतिक सौन्दर्य अद्भुत एवं मधुमय ● यहाँ सूर्य की पहली किरणों का पड़ना ● अनजान व्यक्तियों को भी आश्रय मिलना ● लोगों के हृदय दया, करुणा एवं सहानुभूति की भावना से ओतप्रोत ● महान एवं गौरवशाली संस्कृति 	3+3=6
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> ● वियोग की पीड़ा झेलने को विवश एवं एकाकी जीवन बिताने में असमर्थ ● नायिका का शरीर क्षीण हो जाना ● नेत्रों से अविरल अश्रुधारा बहना ● कोयल की कूक तथा भौरों की झंकार सुनते ही तुरंत कान बन्द कर लेना ● प्रेम के स्वरूप का प्रतिक्षण बदलना अतः नायिका द्वारा प्रेम के अनुभव को बताने में असमर्थता 	3
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> ● व्यस्तता और मशीनी जीवन के कारण मनुष्य का प्रकृति से नाता टूटना ● प्रकृति में आ रहे परिवर्तनों को न देख पाना, न अनुभव करना ● चिंता का कारण – वसंत जैसी 	3



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
9.	9.	8.	9.	<p>मादक ऋतु का भी दफ्तर की छुट्टी तथा कलेण्डर से पता चलना</p> <p>किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य सौंदर्य—</p> <p>भाव सौंदर्य — 1 शिल्प सौंदर्य — 2</p> <p>भाव सौंदर्य—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● राम के प्रति अनन्य प्रेम के कारण भरत का पुलकित होकर सभा में खड़े हो जाना ● उनके कमल नेत्रों में प्रेमाश्रुओं की बाढ़ आना <p>शिल्प सौंदर्य—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● नीरज नयन नेह जल — रूपक, उपमा एवं अनुप्रास अलंकार ● भाषा — अवधी ● छंद — चौपाई ● रस — शांत ● छंदबद्ध काव्य पंक्तियाँ ● भरत का भ्रातृस्नेह <p>मामा—मामी.....व्यस्त;</p>	3+3=6
	क	क	क		
	ख	ख	ख		



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				<p>भाव सौन्दर्य—</p> <ul style="list-style-type: none"> • विवाहोपरान्त सरोज का अपनी नानी की स्नेहमयी गोद में शरण लेना • वहाँ मामा—मामी के भरपूर स्नेह की वर्षा <p>शिल्प सौन्दर्य—</p> <ul style="list-style-type: none"> • उपमा, दृष्टांत अलंकार • मामा—मामी, सदा समस्त — अनुप्रास अलंकार • संस्कृतनिष्ठ शब्दावली • छंदमुक्त कविता • भाषा सरल एवं सुबोध <p>चढ़कर.....लगाई ।</p> <p>भाव सौन्दर्य—</p> <ul style="list-style-type: none"> • प्रलय अर्थात् दुख स्वयं देवसेना के जीवन रथ पर सवार • अपनी दुर्बलताओं और हारने की निश्चितता के बावजूद देवसेना का प्रलय से लोहा लेना <p>शिल्प सौन्दर्य—</p> <ul style="list-style-type: none"> • देवसेना की मनःस्थिति का यथार्थ वर्णन 	
	ग	ग	ग		



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
10.				<ul style="list-style-type: none"> ● जीवन रथ – रूपक अलंकार ● हारी होड़ – अनुप्रास अलंकार ● निराशा और वेदना का मार्मिक चित्रण ● भाषा में प्रतीकात्मकता, चित्रात्मकता एवं संगीतात्मकता <p>गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या –</p> <p>संदर्भ (लेखक व पाठ का नामोल्लेख) – 1</p> <p>पूर्वापर प्रसंग – 1</p> <p>व्याख्या बिंदु – 3</p> <p>गद्यांश की शिल्पगत विशेषताएँ – 1</p> <p>संवदिया.....सुना देगा।</p> <p>पाठ – 'संवदिया'</p> <p>लेखक – फणीश्वरनाथ 'रेणु'</p> <p>प्रसंग – हरगोबिन का बड़ी बहुरिया के मायके संदेश न सुना सकने पर आत्मग्लानि भरा चिंतन</p> <p>व्याख्या बिंदु–</p> <ul style="list-style-type: none"> ● संवदिया के खाने, सोने में मनमानी ● बहुरिया के मायके संदेश न दे पाने के कारण नींद न आना ● आत्म मंथन के उपरान्त संदेश सुना देने का निर्णय लेना 	6
	10.				

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
—	10.	—	—	<p>विशेष—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● खड़ी बोली ● वर्णनात्मक शैली ● 'डटकर खाना', 'अफर कर सोना' — भाषा का विशेष प्रयोग ● आत्मचिंतन <p>आदमी.....क्या कहेंगे?</p> <p>पाठ — 'संवदिया' लेखक — फणीश्वर नाथ 'रेणु' प्रसंग — लेखक का संवदिया के गुण-दोष का वर्णन</p> <p>व्याख्या बिंदु—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● संवदिया के गुण — ईश्वर प्रदत्त ● संवदिया का कार्य — बिना मज़दूरी लिए संदेश के शब्द, सुर, स्वर, लय, भाव को भी यथा संवाद कहना ● गाँव के लोगों की संवदिया के प्रति आम धारणा — निठल्ला, कामचोर और पेटू आदमी <p>विशेष—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● खड़ी बोली ● वर्णनात्मक शैली ● लोकोक्ति — 'न आगे नाथ न पीछे पगहा' का प्रयोग 	



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
—	—	—	10.	<ul style="list-style-type: none"> ● विशेषण शब्दों का प्रयोग ● ग्रामीण धारणा की पुष्टि <p>ये द्रष्टा.....दृढ़ता देता है।</p> <p>पाठ – 'यथास्मै रोचते विश्वम्' लेखक – रामविलास शर्मा प्रसंग – लेखक का साहित्यकार को कर्तव्यों के प्रति सचेत करना।</p> <p>व्याख्या बिंदु—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● पराधीनता और पराभव का पाठ पढ़ाने वाले साहित्यकारों को लेखक ने भविष्य की अपेक्षा अतीत की ओर देखने वाले द्रष्टा माना है। ● सच्चे साहित्य स्रष्टा – अहंवादी विकृतियाँ छोड़ समाज को देश प्रेम दृढ़ता और आत्मविश्वासी बनाता है। ● साहित्यकार का कार्य – समाज के क्रोध, असंतोष को प्रकट करने के साथ-साथ उन्हें आत्म विश्वास व दृढ़ता देना <p>विशेष—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● खड़ी बोली ● संस्कृतनिष्ठ भाषा ● लेखक के चिंतन प्रधान विचार ● साहित्यकार के मूल्यों का निर्धारण 	



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
11.	11. क	12. क	11. क	<p>किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित –</p> <ul style="list-style-type: none"> लेखक द्वारा हिन्दी-उर्दू दोनों भाषाओं का प्रयोग गद्य की खड़ी बोली में सभी लेखकों ने हिन्दी-उर्दू दोनों का समान रूप से प्रयोग किया था हिन्दी-उर्दू दोनों भाषाएँ अलग-अलग मान्य हिन्दुस्तानी भाषा की ये दोनों शैलियाँ हो सकती हैं। <p>(विद्यार्थियों के उपयुक्त विचार भी स्वीकार्य)</p>	4+4=8
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> लेखक ने प्रयाग संग्रहालय के लिए पसोवा, कौशांबी, मद्रास (चेन्नई) तथा प्रयाग के आस-पास कई स्थानों में घूम-घूमकर मूर्तियाँ, सिक्के, मनके, मोहरे, मृण्मूर्तियाँ, हस्तलिखित पुस्तकें आदि एकत्रित किए। व्यास जी की सबसे बड़ी देन इलाहाबाद का विशाल और प्रसिद्ध संग्रहालय पुरातन संबंधी संग्रहालय की विभिन्न धरोहर-सामग्री का संकल्प बगैर विशेष व्यय के कर पाना व्यास जी 	4



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
12.	ग	ग	ग	<p>का अपना विशिष्ट कौशल है।</p> <ul style="list-style-type: none"> • 'शेर' व्यवस्था का प्रतीक। • व्यवस्था तभी तक खामोश जब तक उसकी आज्ञाओं, इच्छाओं का पालन होता रहे <p>संदेश—</p> <ul style="list-style-type: none"> • विरोध होने पर व्यवस्था का शेर की तरह मुँह फाड़ लेना तथा आक्रमक होना निश्चित • अन्यायी सत्ता को उखाड़ फेंकने का प्रयास करते हुए अपना रास्ता स्वयं बनाना <p><u>जीवन परिचय</u></p> <ul style="list-style-type: none"> • संक्षिप्त जीवन परिचय 2 • रचनाएँ 1 • काव्यगत विशेषताएँ/भाषागत विशेषताएँ सोदाहरण 3 <p><u>निर्मल वर्मा</u></p> <p>जन्म एवं जीवन परिचय –</p> <ul style="list-style-type: none"> • शिमला में जन्म। • दिल्ली विश्वविद्यालय से इतिहास में एम.ए. किया और फिर अध्यापन 	4 6
	12.	12.	12.		



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				<p>कार्य</p> <ul style="list-style-type: none"> चेकोस्लोवाकिया के प्राच्य-विद्या संस्थान प्राग के आमंत्रण पर वहाँ गए। <p>रचनाएँ – 'जलती झाड़ी', 'परिंदे', 'वे दिन', 'शब्द और स्मृति', 'ढलान से उतरते हुए' आदि।</p> <p>साहित्यिक विशेषताएँ—</p> <ul style="list-style-type: none"> भाषा-शैली में एक अनोखी कसावट विचार-सूत्र की गहनता को विविध उद्धरणों से रोचक बनाना शब्द चयन में जटिलता न होते हुए भी उनकी वाक्य-रचना में मिश्र और संयुक्त वाक्यों की प्रधानता उर्दू और अंग्रेजी शब्दों का स्वाभाविक प्रयोग भाषा-शैली में अनेक नवीन प्रयोग <p><u>हजारी प्रसाद द्विवेदी</u></p> <p>जन्म एवं जीवन परिचय –</p> <ul style="list-style-type: none"> आरत दूबे के छपरा गाँव, जिला बलिया, उत्तर प्रदेश में जन्म। काशी से शास्त्री परीक्षा उत्तीर्ण, काशी हिंदू विश्वविद्यालय से 	



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				<p>ज्योतिषाचार्य की उपाधि प्राप्त की।</p> <ul style="list-style-type: none"> • 1950 में काशी हिंदू विश्वविद्यालय में हिन्दी विभाग के अध्यक्ष बने। • 1952–53 में काशी नागरी प्रचारिणी सभा के अध्यक्ष • 1955 में प्रथम राजभाषा आयोग के सदस्य राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त • उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार, लखनऊ विश्वविद्यालय से डी.लिट् की उपाधि तथा पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित • संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, बाँग्ला आदि तथा अनेक विषयों – इतिहास, दर्शन, संस्कृति, धर्म आदि का भी विशेष ज्ञान <p>रचनाएँ – 'अशोक के फूल', 'विचार और वितर्क', 'कल्पलता', 'कुटज', 'आलोक पर्व', 'बाणभट्ट की आत्मकथा', 'अनामदास का पोथा',</p> <p>साहित्यिक विशेषताएँ—</p> <ul style="list-style-type: none"> • भाषा सरल और प्रांजल • व्यक्तित्व – व्यंजकता और आत्मपरकता उनकी शैली की विशेषता 	



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
	अथवा	अथवा	अथवा	<ul style="list-style-type: none"> ● व्यंग्य शैली के प्रयोग से उनके निबंधों पर पांडित्य का बोझ नहीं ● हिन्दी की गद्य शैली को एक नया रूप <p style="text-align: center;"><u>अथवा</u></p> <p><u>मलिक मुहम्मद जायसी</u></p> <p>जन्म एवं जीवन परिचय—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● अमेठी उत्तर प्रदेश के निकट जायस गाँव में जन्म ● जायस में जन्म होने के कारण जायसी ● पिता की मृत्यु के कारण पालन-पोषण ननिहाल में ● सैय्यद अशरफ और शेख बुरहान से शिक्षा प्राप्त की ● सूफी संत परंपरा में <p>रचनाएँ—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● पद्मावत ● अखरावट ● आखिरी कलाम आदि <p>साहित्यिक विशेषताएँ—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● मसनवी शैली 	



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				<ul style="list-style-type: none"> ● ठेठ अवधी भाषा से उत्कृष्ट साहित्य की रचना ● सूफी प्रेममार्गी कवि ● प्रेम का लोकधर्मी रूप ● दोहा-चौपाई छंद का प्रयोग ● प्रौढ़ और गंभीर काव्य-शैली ● मुहावरे, लोकोक्तियाँ तथा अलंकारों का प्रयोग <p><u>केदार नाथ सिंह</u></p> <p>जन्म एवं जीवन परिचय –</p> <ul style="list-style-type: none"> ● जन्म बलिया जिले के चेकिया गाँव में ● काशी हिंदू विश्वविद्यालय से हिन्दी में एम.ए. तथा पी.एच.डी. की उपाधि ● गोरखपुर में हिन्दी के प्राध्यापक फिर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में हिन्दी के प्रोफेसर ● आजकल दिल्ली में स्वतंत्र लेखन <p>रचनाएँ- 'अकाल में सारस', 'अभी बिलकुल अभी', 'जमीन पक रही है', 'यहाँ से देखो', आलोचनात्मक पुस्तक – 'कल्पना और छायावाद', निबंध संग्रह- 'मेरे समय के शब्द'</p> <p>साहित्यिक विशेषताएँ-</p>	



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
13.	13.	13.	13.	<ul style="list-style-type: none"> ● कविताओं में बिंब-विधान ● मानवीय संवेदनाएँ और विचार बोध ● शिल्प में बातचीत की सहजता और अपनापन 	
				<p>सूरदास के जीवन से प्राप्त जीवन-मूल्य-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● हार न मानने की प्रवृत्ति ● सत्य-अहिंसा से भरा व्यक्तित्व ● प्रतिकार की भावना से दूर ● क्षमाशील, सहिष्णु व आशावादी ● पुनर्निर्माण एवं जिजीविषा की भावना ● संघर्षशील, आत्मविश्वासी ● निर्णय लेने की पूर्ण क्षमता <p>आज के संदर्भ में इन सभी नैतिक मूल्यों की आवश्यकता, मानवता का विकास संभव</p> <p>(जीवन-मूल्यों की प्रासंगिकता स्पष्ट करने के संदर्भ में विद्यार्थियों के स्वतंत्र विचार भी मान्य)</p>	5
14.	14. क	14. क	14. क	<p>दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● लेखक ने 'अपना मालवा' के माध्यम से मौसम, ऋतुएँ, नदियाँ, जन जीवन तथा संस्कृति आदि के मुद्दों को 	5+5=10



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
	ख	ख	ख	<p>उठाया है।</p> <ul style="list-style-type: none"> ● अतिवृष्टि, नदियों में बाढ़, यातायात के साधन ठप ● मालवा में पहले जैसा पानी अब नहीं गिरता ● पर्यावरण असंतुलित, औद्योगिक विकास के कारण नदियों का गंदे नालों में बदलना ● खाऊ-उजाड़ सभ्यता यूरोप तथा अमेरिका की देन <p>समाधान—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● पर्यावरण के प्रति लोगों को सचेत करना ● जीवन पद्धति में 'सादा जीवन उच्च विचार' की भावना लाना ● प्रकृति की रक्षा और उससे तादात्म्य <p>प्रमुख पात्र – भूप दादा</p> <p>जीवन संघर्ष—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● भाई के शहर की ओर पलायन से भूप दादा का अकेले पड़ जाना ● भू-स्खलन से घर, खेती का सर्वनाश, माता-पिता की मृत्यु ● भू-स्खलन से फैले मलबे को हटाना 	5



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				<ul style="list-style-type: none"> ● पहाड़ों की विषम परिस्थितियाँ सहकर भी अपनी जन्मभूमि न छोड़ना, उससे प्यार ● घर तथा खेतों को ढलवां बनाना, झरने को मोड़कर खेतों तक लाना ● पत्नी की आत्महत्या और नाबालिग बेटे का घर छोड़ जाने के दर्द से भी संघर्ष का बढ़ना ● रोटी, कपड़ा, मकान तीनों की अभाव-ग्रस्त स्थिति के उपरान्त भी कठोर परिश्रम 	

